8 रक्षाबंधन

सावन की पूर्णिमा को राखी का त्योहार मनाया जाता है। उषा अपनी सहेलियों के साथ राखी लेने बाजार गई है। बाजार में खूब चहल–पहल है। दुकानों में चमकीली–चमकीली रंग–बिरंगी राखियाँ सजी हैं। दुकानदार व्यस्त हैं। ग्राहकों को तत्परता से राखियाँ दिखा रहे हैं। उषा और उसकी सहेलियों ने भी रंग–बिरंगी राखियाँ खरीदीं। वे अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बाँधेंगी। भाई भी उन्हें कुछ उपहार देंगे।

उषा के भाई जमशेदपुर से आनेवाले हैं। जब कभी सड़क पर कुछ आवाज होती, उषा दौड़कर दरवाजे पर जाती और सड़क की ओर देखती। भाई को न आते देख, वह निराश होकर लौट आती।

उषा सोचने लगी, ''क्या बात है, भैया अभी तक क्यों नहीं आए? आज मैं किसको राखी बाँधूँगी ?''

उषा को उदास देखकर माँ ने कहा, ''कोई बात नहीं उषा। पहली गाड़ी निकल गई होगी। थोड़ी देर में दूसरी गाड़ी आनेवाली है। प्रभात जरूर आएगा।'' माँ यह कह ही रही थी कि हाथ में अटैची लिए प्रभात भीतर आ गया। भाई को देखकर उषा बहुत खुश हुई।

''अब जल्दी से नहा लीजिए भैया। देखिए, आपने कितनी देर कर दी'' उषा ने प्रभात से कहा।

नहा–धोकर प्रभात ने नए कपड़े पहने। उषा ने भाई के माथे पर तिलक लगाया और कलाई पर राखी बाँधी। फिर उसने भाई को मिठाई खिलाई। प्रभात ने थाली में रुपये रखे और बहन को प्यार किया। उछलती–कूदती उषा सहेलियों के साथ खेलने चली गई।

रक्षाबंधन बहुत पुराना त्योहार है। कहते हैं, पुराने समय में जब सैनिक युद्ध में जाते थे, तब बहनें उनके ललाट पर तिलक लगातीं और कलाई पर राखी बाँधती थीं। राखी बाँधकर वे मन-ही-मन कहतीं, ''यह राखी मेरे भाई को सब संकटों से बचाए।'' राखी बँधवाकर सैनिक अपने देश की और माँ-बहनों की रक्षा का प्रण करते थे।

बहुत समय पहले चित्तौड़ पर एक महिला शासन करती थी। उसका नाम महारानी कर्णावती था। उनके चित्तौड़ राज्य पर एक पड़ोसी राजा ने हमला कर दिया। चित्तौड़ की महारानी कर्णावती अकेली उसका मुकाबला न कर सकी। उसने दिल्ली के बादशाह हुमायूँ को राखी भेजकर सहायता के लिए बुलाया। राखी मिलते ही हुमायूँ सब काम छोड़कर अपनी बहन कर्णावती की सहायता के लिए चल पड़ा।

आज भी रक्षाबंधन के दिन जब बहन अपने भाई को राखी बाँधती है, वह प्रार्थना करती है कि राखी उसके भाई को संकटों से बचाए। भाई बहन से राखी बँधवाता है। इसका अर्थ है कि वह हमेशा बहन की रक्षा करेगा। इसलिए राखी का बंधन, रक्षा का बंधन माना जाता है और इसीलिए इस त्योहार को रक्षाबंधन कहते हैं।

शब्दार्थ

प्रण	-	कसम	**त्योहार**	-	पर्व
तिलक	-	टीका	**अटैची**	-	छोटा बक्सा
युद्ध	-	लड़ाई	**संकट**	-	मुसीबत

अभ्यास

1. अपने बारे में बताएँ-

(क) आप कितने भाई-बहन हैं ?

....

(ख) आपने राखी का त्योहार मनाया तो क्या-क्या किया था ?

....

(ग) आपके घर पर राखी के दिन और कौन-कौन आते हैं-राखी बाँधने या बँधवाने?

....

(घ) राखी के त्योहार की तैयारी आप दोनों भाई-बहन कैसे करते हैं?

....

2. **अपनी समझ से बताएँ -**

(क) रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें अपने भाई के लिए क्या-क्या खरीदती हैं ?

....

(ख) रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को क्या-क्या उपहार देते हैं?

....

(ग) रक्षाबंधन के अलावा और कौन-कौन से पर्व हैं, जो भाई-बहन से सम्बन्धित हैं?

....

3. **पाठ से बताएँ -**

(क) रक्षाबंधन का त्योहार कब मनाया जाता है ?

....

(ख) बहन भाई को राखी क्यों बाँधती है ?

....

(ग) भाई को राखी बाँधते समय बहन क्या प्रार्थना करती है ?

....

(घ) बहन से राखी बँधवाते समय भाई क्या प्रण करता है?

....

4. **राखी के दिन के लिए जो सही है उसके आगे (√) चिह्न तथा जो गलत है उसके आगे (x) चिह्न लगाएँ-**

(क) दीप जलाते हैं और पटाखे चलाते हैं। ( )

(ख) बहन अपने भाई को राखी बाँधती है। ( )

(ग) भाई बहन को तिलक लगाता है। ( )

(घ) बहन भाई को तिलक लगाती है। ( )

(ङ) भाई अपनी बहन को पैसे देता है। ( )

5. उल्टे अर्थ वाले शब्द से मिलाइए -

शत्रु	खरीदना
बेचना	आकाश
धरती	मित्र
जल्दी	कम
अधिक	आलसी
पुराना	धीरे
मेहनती	नया

6. सजाकर सही शब्द बनाइए-

(क) का दा न दु र ....

(ख) घ ई र सो र ....

(ग) म र ज द पु शे ....

(घ) द ह शा बा ....

(ङ) ब मु ला का ....

7. दिए गए शब्दों को वाक्य में प्रयोग कीजिए-

(क) दुकान - ....

(ख) माँ - ....

(ग) गाड़ी - ....

(घ) जरूर - ....

(ङ) सड़क - ....

(च) थाली - ....

8. कुछ त्योहारों के दो-दो नाम होते हैं; उन्हें ढूँढ़कर बताइए-

रक्षाबंधन	-	राखी
दुर्गापूजा	-	....
दीपावली	-	....
सरस्वती पूजा	-	....
जन्माष्टमी	-	....

9. लड़का, लड़की तथा शहर के नामों को लिखिए –

	लड़का	लड़की	शहर
नाम जो इस पाठ में हैं –	....	....	....
अन्य नाम जो आप जानते हैं –	....	....	....

नाम जो आपने लिखा या लिखेंगे सभी व्यक्तिवाचक संज्ञा होंगे जबकि लड़का, लड़की और शहर जातिवाचक संज्ञा है।

10. दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा करें–

बाँधने , बाँधती , बँधवाई , बँधवाता , बाँधूँगी

(क) राखी के दिन बहन अपने भाई को राखी .... है।

(ख) आज मुझे राखी .... जाना है।

(ग) यदि भैया न आया तो मैं किसे राखी ....?

(घ) भाई ने बहन से राखी ....और उसे रुपये दिए।

(ङ) भाई बहन से राखी .... है।

11. पढ़िए, समझिए और लिखिए –

एक सहेली	दो सहेलियाँ	तीन सहेलियाँ
एक राखी	....	....
एक थाली	....	....
एक कुर्सी	....	....
एक बकरी	....	....
एक गिलहरी	....	....

12. अपने मनपसन्द रंग-रूप की राखी का चित्र बनाइए–

●●●